E-ISSN: 2664-603X
P-ISSN: 2664-6021
IJPSG 2024; 6(2): 360-361
www.journalofpoliticalscience.com
Received: 08-08-2024
Accepted: 12-09-2024

भागीरथ रेगर
Ph.D शोधार्थी, राजनीति विज्ञान विभाग, ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान, भारत

Corresponding Author:
भागीरथ रेगर
Ph.D शोधार्थी, राजनीति विज्ञान विभाग, ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान, भारत

भारतः इज्रराइल सम्बन्ध–रक्षा क्षेत्र में सहयोग

भागीरथ रेगर

DOI: https://doi.org/10.33545/26646021.2024.v6.i2e.412

सारांश
अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में दो देशों के मध्य विपक्षीय सम्बन्धों की मधुरता हेतु अनेक क्षेत्रो की महती भुमिका होती है। इन्हीं क्षेत्रो में से एक महत्वपूर्ण व यर्थाथवादी राजनीतिक सम्बन्धों को सर्वाधिक प्रभावित करने वाला क्षेत्र रक्षा क्षेत्र है। रक्षा क्षेत्र में भारत–इज्रराइल के महत्वपूर्ण सहयोग रहे है।

कुटशब्दः सैन्य आसूचना, कारगिल संकट, आकास मिसाइल, सैन्य तकनीक, शीतयुद्धोतर काल

प्रस्तावना
वर्ष 1991 से पहले भारत – इज्रराइल सम्बन्ध सामान्यतः निष्क्रय ही ही रहे है। 1991 में भारतीय विदेश नीति में इज्रराइल के प्रति आये व्यापक बदलाव को वैद्यानिक स्वरूप प्रदान करते हुए भारत सरकार द्वारा 29 जनवरी 1992 को इज्रराहल के साथ पूर्ण राजनयिक सम्बन्धों की स्थापना की। भारत–इज्रराइल के मध्य सम्बन्धों के सामान्यकरण के पश्चात् दोनो राष्ट्रों के मध्य द्विपक्षीय सम्बन्धों की प्रगाढ़ता हेतु सार्थक प्रयाास किए गए है। इन्हीं सार्थक प्रयासों के कारण विगत वर्षो में भारत–इज्रराइल सम्बन्धों के विविध क्षेत्रो में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। जो कि दोनेा ही राष्ट्रो के लिए लाभकारी है।

परिचय–
भारत – इज्रराइल के मध्य शीतयुद्धोत्तर. काल में रक्षा एवं रणनीतिक सम्बन्धों में सर्वाधिक प्रगाढ़ता आयी है। यद्यपि भारत–इज्रराइल के मध्य आंशिक तौर पर रक्षा सम्बन्ध पूर्ण राजनायिक सम्बन्धों की स्थापना के पूर्व भी रहे है। पूर्ण राजनीतिक सम्बन्धों की स्थापना के पश्चात् भारत–इज्रराइल के मध्य रक्षा उत्पादों व तकनीकी हस्तांरण, आंतरिक सुरक्षा और आंतकवाद का सामना करना इत्यादि क्षेत्रो में रहे है। वर्तमान में भारत–इज्रराइल के मध्य रक्षा सम्बन्ध केवल क्रेता–विक्रेता के ही नही बल्कि भारत व इज्रराइल द्वारा संयुक्त उद्यम के तहत रक्षा सामग्री व वर्ष 2017 में भारत–इज्रराहल द्वारा मध्यम दूरी की प्रहार क्षमता वाली बराक मिसाइल का विकास संयुक्त उद्यम के तहत ही किया गया है।

आसूचना सहयोग (Intelligence Co operation)
भारत इज्रराइल के मध्य आसूचना सहयोग पूर्ण राजनयिक सम्बन्धों से पूर्व ही सहयोग रहा है, जैसे – भारत की आसूचना एजेन्सी '' रॉ (Raw- research & Analysis wing) व इज्रराइल की एजेन्सी ''मोसाद'' के मध्य श्रीमती इन्दिरा गांधी व श्री राजीव गांधी के प्रधानमंत्री काल में निकट सम्बन्ध रहे। सैन्य आसूचना में इज्रराइल के सहयोग की पुष्टि कारगिल संकट के समय में स्पष्ट हुई है। इसी प्रकार भारत–इज्रराइल ने आसूचना के साझाकरण हेतु वर्ष 2007 में इंटलिजेन्स शेयरिंग एग्रीमेन्ट सम्पन्न किया है।

युद्धक विमानो का उन्नयन
इज्रराइल की सुरक्षा प्रणाली सैन्य तकनीक व अत्याधुनिक सैन्य साजो सामान की प्रशंसा विश्व जगत द्वारा की जा रही है। भारत के मिग–21 के अपग्रेंडेशन इज्रराइल के सहयोग से किया गया। इसी के साथ हिन्दुस्तान एयरोनोटिक्स लिमिटेड तथा इज्रराइल की कम्पनी ने इस सम्बन्ध में कार्य करने की सहमति व्यक्त की है।

निगरानी उपकरणों के संदर्भ में सहयोग

स्वदेशी अवाक्स प्रणाली (Airborne Warning & Control System): विकसित करने हेतु इज्रराइल का सहयोग महत्वपूर्ण रहा है। फाल्कन आवास प्रणाली रूस से खरीदे गए एयरक्राफ्ट पर भारत ने इज्रराइल के रेडार फिट करके अपने बेड़े में सम्मलित किए है इसके लिए वर्ष 2004 में समझौता किया है। इसी के साथ नैत्र अवाक्स प्रणाली में भी सहयोग रहा।

मानव रहित विमान

इज्रराइल द्वारा विकसित हल्के, छोटे, गतिशीलता युक्त सामरिक दृष्टि से उपयोगी मानवरहित विमानो का भारत उपयोग करता है, जैसे हैरोन, हैराने टी.पी., हारपी, इत्यादि इन्ही के साथ इज्रराहल के ड्रोन भारत में बनाये जाते है और भारत में तथा निर्यात के लिए उनकी अपार सम्भावनाएं है जैसे– दृष्टि–010 मानव रहित विमान।

मिसाइल तकनीकी में सहयोग

भारत द्वारा मिसाइल विकास हेतु समन्वित निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम सन् 1983 में शुरू किया गया था। इसमें इज्रराइल का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। जैसे नाग मिसाइल, इज्रराइल की जेरेको मिसाइल पर आधारित थी। भारत–इज्रराइल के मध्य मिसाइल तकनीकी के संदर्भ में सहयोग सम्बन्ध अधिक प्रगाढ़ हुए है। इसमें सागरिका मिसाइल की इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली का विकास, आकाश मिसाइल की तकनीकी विकसित करने में महत्वपूर्ण सहयोग रहा है। अभी हाल ही में बराक–8 मिसाइल का विकास भारत के DRDO व इज्रराइली एयरोस्पेस इण्डस्ट्री द्वारा संयुक्त रूप से किया है।

भारत–इज्रराइल के मध्य मुख्य रक्षा सौदे

क्र.स.	वर्ष	प्रकृति
1	1993	विजयन्ता टैंक के लिए फायर कण्ट्रोल सिस्टम तथा टी–72 टैंक की आयुद्ध सामग्री
2	1996	32 सर्चर–।। मानवरहित विमान
3	1996	भारत के मिग–21 विमान का उन्नयन
4	1997	2 सूपर ध्रुव मार्क–।। फास्ट अटैक क्रॉफ्ट की आपूर्ति
5	1998	एंडवास्ट इलेक्ट्रानिक इक्यूपमेंट की आपूर्ति
6	1999	8 हैरोन ड्रोन का समझोता
7	2000	विमान वाहक युद्धवसेत प्छै विराट में इलेक्ट्रोनिक वारफेयर सिस्टम की आपूर्ति
8	2004	तीन फाल्कन आवास प्रणाली के लिए रडार
9	2006	बाराक–8 मिसाइल का विकास
10	2006	मध्यमदूरी सर्च के रडार के लिए
11	2007	स्पाईडर मिसाइल सिस्टम
12	2008	इज्रराइल एयरोस्पेस इण्डस्ट्री व टाटा ग्रुप के मध्य समझोता
13	2009	फाल्कन सिस्टम भारत को सौंपे
14	2011	डर्बी मिसाइल व तेजस फाइटर के लिए रडार का सौदा
15	2012	हैरोन व सर्चर ड्रोन का उत्पादन भारत में
16	2017	2 बिलियन अमेरिकी डॉलर का रक्षा समझौता
17	2022	दृष्टि –010 ड्रोन समझौता
18	2023	स्पाइस 2000 बोम्ब समझौत

निष्कर्ष

भारत इज्रराइल सम्बन्धों को अमरिका द्वारा भी प्रभावित किया जाता है। इज्रराइल द्वारा रक्षा तकनीक में सर्वश्रेष्ठता अमरिकी सहयोग से ही प्रात की है। तथा भारत अमरिका के सम्बन्धो में सकारात्मक बदलाव से, ज्यादा सहयोगात्मक सम्बन्ध स्थापित होगे।

भारत तथा इज्रराइल दोनो ही देश अपने प्रतिध्वन्धियों से गिरे हुए है। अतः सकारात्मक सहयोगात्मक रवैये से और इज्रराइल द्वारा मेक इन इण्डिया मुहीम का सर्मथन का आश्वासन से भविष्य में सुरक्षा सम्बन्धो में भारी उछाल देखा जाएगा।

सन्दर्भ सूची

1. स्वामी सुब्रण्यम 'द सैक्रेट फ्रेंडशिप बिटविन इण्डिया' एण्ड इज्रराइल, संडे वॉल्यूम 10, कलकता 2004
2. ब्लरेल निकोलस ''द इवोल्यूशन ऑफ इण्डिया–इज्रराइल पॉलिसी : कन्टीन्यूटी, चेंज एण्ड कॉम्परोमाईज सिन्स 1922'' ऑक्सफॉर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2015
3. पी.आर. कुमार स्वामी'', इण्डियाज इजराइल पॉलिसी, कोलम्बिया यूनिवर्सिटी प्रेस, न्यूयार्क, 2010
4. कृष्णानंद शुक्ल '' अन्तर्राष्ट्रीय आंतकवाद और भारत, अंकित पब्लिकेशन दिल्ली 2012
5. प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया, 7 अप्रैल 2017
6. विदेश मंत्रालय पब्लिक प्रेस और वेबसाइट